भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1253

गुरूवार, 5 दिसम्बर, 2024/14 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

कर्नाटक में पर्यटन क्षेत्र के विकास हेतु कदम

1253 श्री लहर सिंह सिरोया:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) कर्नाटक के उन स्थानों का ब्यौरा क्या है जिन्हें विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित करने पर विचार किया जा रहा है;

(ख) सरकार द्वारा कर्नाटक में वर्तमान में विकसित किए जा रहे और आने वाले एक वर्ष के दौरान विकसित किए जाने वाले ऐतिहासिक स्मारकों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार द्वारा राज्य सरकारों और गैर-सरकारी निकायों के सहयोग से अविकसित ऐतिहासिक स्मारकों के संवर्धन/उन्हें विकसित करने हेतु कोई कार्यक्रम चलाया जा रहा है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा पिछले पांच वर्षों के दौरान कर्नाटक में पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): वर्तमान में, कर्नाटक में विश्व धरोहर स्थलों के रूप में नामांकन के लिए कोई संपत्ति विचाराधीन नहीं है। हालांकि, चार संपत्तियां - दक्कन सल्तनत के स्मारक और किले, श्रीरंगपट्टण द्वीप नगर के स्मारक, मंदिर वास्तुकला का विकास: ऐहोल-बादामी-पट्टडकल और हायर बेंकल, मेगालिथिक साइट - जिन्हें पहले से ही अस्थायी सूची में शामिल किया गया है और यह शिलालेख की आगे की प्रक्रिया के लिए आवश्यक शर्त है।

जबकि, पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है, पर्यटन मंत्रालय योजना के दिशा-निर्देशों के अनुरूप और निधियों की उपलब्धता की शर्त पर 'स्वदेश दर्शन (एसडी)' और 'तीर्थस्थल

जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' की अपनी केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से कर्नाटक सहित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके पर्यटन अवसंरचना विकास के उनके प्रयासों को सम्पूरित करता है। पर्यटन मंत्रालय ने अपनी प्रशाद योजनाओं के तहत कर्नाटक राज्य में एक परियोजना स्वीकृत की है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों का विकास करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के तौर पर नया रूप दिया है एवं विकास के लिए कर्नाटक राज्य में 3 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

भारत सरकार ने 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना 2024-25' (एसएएससीआई) के तहत कर्नाटक में 2 पर्यटन परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है।

उपरोक्त के अलावा, एएसआई ने हम्पी में विभिन्न स्थानों पर कर्नाटक सरकार के शहरी भूमि परिवहन निदेशालय (डीयूएलटी) द्वारा प्रस्तावित साइकिल पार्कलेट प्रदान करने के लिए भी सहमति प्रकट की है।

स्वदेश दर्शन 2.0, प्रशाद और एसएएससीआई के तहत कर्नाटक राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं की सूची **अनुबंध** में दी गई है।

****

अनुबंध

श्री लहर सिंह सिरोया द्वारा कर्नाटक में पर्यटन क्षेत्र के विकास हेतु कदम के संबंध में दिनांक 05.12.2024 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 1253 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में **विवरण**

कर्नाटक राज्य में एसडी 2.0, प्रशाद और एसएएससीआई के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र.सं.	**योजनाएं**	**स्वीकृति का वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	स्वदेश दर्शन 2.0	2023-24	हम्पी में 'ट्रैवलर नूक्स' की स्थापना	26.30
2.		2023-24	मैसूर में "टोंगा राइड हेरिटेज एक्सपीरियंस जोन"	4.12
3.		2023-24	मैसूर में "ईकोलोजिकल एक्सपीरियंस जोन"	18.36
4.	प्रशाद	2023-24	श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	45.71
5.	'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना 2024-25'	2024-25	"रोरिक एंड देविका रानी एस्टेट टाटागुनी, बेंगलुरु में इकोटूरिज्म एंड कल्चरल हब"	99.17
6.			"सवदत्ती यल्लमगुड्डा, बेलगावी का विकास"	100.00

****